भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
12.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2229 का उत्तर

रेल के माध्यम से इम्फाल को जोड़ना

2229. डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोइजम:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इम्फाल को जोड़ने के लिए रेल लाइन के निर्माण में कितनी प्रगति हुई है;

(ख) भारतीय रेल द्वारा इम्फाल को जोड़ने की परियोजना किस वर्ष शुरू की गई थी और इसे पूरा करने की मूल रूप से निर्धारित लक्ष्य तिथि क्या थी और निर्धारित लक्ष्य तिथियों तथा उनमें हुए परिवर्तन के कारणों का ब्यौरा क्या है;

(ग) इस परियोजना को पूरा करने की वर्तमान समय-सीमा क्या है;

(घ) इस परियोजना पर अब तक कुल कितना व्यय किया गया है और शेष कार्य की अनुमानित लागत कितनी है; और

(ङ) मणिपुर आने-जाने वाली यात्री रेलगाड़ियों और वहां से चल रही मालगाड़ियों का ब्यौरा क्या है और उनकी आवृत्ति कितनी है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): भारतीय रेल नेटवर्क से इम्फाल को जोड़ने के लिए जिरिबाम-इम्फाल (111 कि.मी.) नई रेल लाइन परियोजना शुरू की गई है। परियोजना की नवीनतम प्रत्याशित

लागत 22,274 करोड़ रुपए है और 31.03.2024 तक परियोजना पर 14,423 करोड़ रुपए का व्यय किया जा जुका है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 1200 करोड़ रुपए का परिव्यय मुहैया कराया गया है।

जिरिबाम से खोंगसांग तक 55.36 किलोमीटर का कार्य पहले ही कमीशन किया जा चुका है। शेष भाग में कार्य शुरू कर दिया गया है। अत्यधिक अपक्षयित चट्टान और नरम मिट्टी जैसी खराब भूगर्भीय परतें इस क्षेत्र में सुरंग निर्माण की प्रगति में बाधा डाल रही हैं। इसके अतिरिक्त मिट्टी, कानून व्यवस्था की समस्या, एनएच-37 के बार-बार बंद होने से निर्माण संबंधी संसाधनों के परिवहन में होने वाली कठिनाई और जून, 2022 में तुपुल क्षेत्र में बड़े पैमाने पर भूस्खलन ने भी कार्य की प्रगति को प्रभावित किया है।

रेल परियोजना/ओं का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वन संबंधी मंजूरी, बाधक जनोपयोगी सेवाओं की शिफ्टिंग, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियां, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों आदि के कारण परियोजना/ओं विशेष के स्थल के लिए किसी वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या इत्यादि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है और ये सभी कारक परियोजनाओं के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं। उपर्युक्त बाधाओं के बावजूद, परियोजना/ओं को शीघ्र पूरा करने के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है।

चूंकि, रेल नेटवर्क राज्य की सीमाओं के आर-पार फैला हुआ है, इसलिए ऐसी सीमाओं के बीच, नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार, रेलगाड़ियां चलाई जाती हैं। बहरहाल, मणिपुर राज्य में स्थित स्टेशनों के यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, भारतीय रेल दो जोड़ी रेलगाड़ी सेवाएं अर्थात् 55665/55666 सिल्चर-वंगाइचूंगपाऊ पैसेंजर (दैनिक) और

12097/12098 अगरतला-खोंगसांग जन शताब्दी एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन बार) परिचालित करती है। मणिपुर राज्य सरकार की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, इन सेवाओं को 4 मई, 2023 से अस्थायी रूप से रोक दिया गया है।

वित्त वर्ष 2024-25 (फरवरी, 2025 तक) में जिरिबाम और खोंगसांग टर्मिनलों पर संचालित माल यातायात का विवरण निम्नानुसार है:-

स्टेशन	संचालित रेकों की संख्या
जिरिबाम	15.5
खोंगसांग	16

******